प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (2018-19)
हिन्दी पाठयक्रम- अ
कक्षा - दसवीं

निर्धारित समय- 3 घंटे	अधिकतम अंक – 80

सामान्य निर्देश:-

1 इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क,ख,ग और घ |

2 चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |

3 यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए |

	खंड-'क' (अपठित अंश)	अंक-15
1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	(8)
	सृष्टि ने मानव को जो सर्वश्रेष्ठ वरदान दिए हैं उनमें से एक महत्वपूर्ण वरदान है – स्वस्थ शरीर | स्वस्थ शरीर से ही जिंदगी की सही शुरुआत होती है | अस्वस्थ शरीर में कहाँ जीवन होता है ? वह तो जीवन पर बोझ होता है | जीवन के सभी सुख, सभी सौंदर्य, सभी आनंद स्वस्थ होने पर ही मिलते हैं | स्वास्थ्य सभी जीवधारियों के आनंदमय जीवन की कुंजी है; क्योंकि स्वास्थ्य के बिना जीवधारियों की समस्त क्रियाएँ-प्रक्रियाएँ रुक जाती हैं या शिथिल हो जाती हैं | जीवन को जल भी इसीलिए कहा जाता है | जिस प्रकार रुका जल सड़ जाता है, दुर्गंधयुक्त हो जाता है, ठीक इसी प्रकार शिथिल और कर्महीन जीवन से स्वास्थ्य खो जाता है | स्वास्थ्य और खेल-कूद का परस्पर गहरा संबंध है | पशु-पक्षी हो या मनुष्य, जो खेलता-कूदता नहीं, वह उत्फुल्ल और प्रसन्न रह नहीं सकता | जब हम खेलते हैं तो हममें नया प्राणावेग, नई स्फूर्ति और नई चेतना आ जाती है | हम देखते हैं कि हवा के झोंके एक-दूसरे का पीछा करते हुए दूर-दूर तक दौड़ते हैं, वृक्षों की शाखाओं को हिला-हिलाकर अठखेलियाँ करते हैं | आकाश में उड़ते पक्षी तरह-तरह की क्रीड़ाएँ करते हैं | हमें भी जीवन-जगत् से प्रेरणा लेते हुए खुले मन से खेल-कूद में भाग लेना चाहिए |	
(क)	स्वास्थ्य और खेल-कूद परस्पर एक दूसरे के पूरक हैं - कैसे ?	(2)

(ख)	उदाहरण देते हुए सिद्ध कीजिए कि प्रकृति भी खेल-कूद पसंद करती है ।	(2)
(ग)	स्वास्थ्य का कर्म से क्या संबंध है ?	(2)
(घ)	जीवन को जल क्यों कहा गया है ?	(1)
(ड)	उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।	(1)
2	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ । तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में, मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ । मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है, इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं । मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है । मैं खंडहर को फिर से महल बना सकता हूँ । जब-जब भी मैंने खंडहर आबाद किए हैं, प्रलय-मेघ भूचाल देख मुझको शरमाए । मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या, मैंने अगणित बार धरा पर स्वर्ग बनाए ।	(7)
(1)	उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में किसका महत्व प्रतिपादित किया गया है ?	(1)
(2)	स्वर्ग के प्रति मजदूर की विरक्ति का क्या कारण है ?	(1)
(3)	किन कठिन परिस्थितियों में भी मजदूर ने अपनी निर्भयता प्रकट की है ?	(1)
(4)	मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं । उपर्युक्त पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।	(2)
(5)	अपनी शक्ति और क्षमता के प्रति मजदूर ने क्या कहकर अपना आत्म-विश्वास प्रकट किया है ?	(2)
	अथवा	
	हँसते खिलखिलाते रंग-बिरंगे फूल क्यारी में देखकर जी तृप्त हो गया । नथुनों से प्राणों तक खिंच गई	

	गंध की लकीर सी आँखों में हो गई रंगों की बरसात अनायास कह उठा वाह ! धन्य है वसंत ऋतु । लौटने को पैर ज्यों बढ़ाये तो क्यारी के कोने में दुबका एक नन्हा फूल अचानक बोल पड़ा : सुनो एक छोटा-सा सत्य तुम्हें सौंपता हूँ धन्य है वसंत ऋतु, ठीक है पर उसकी धन्यता उसकी कमाई नहीं वह हमने रची है, हमने यानी मैंने मुझ जैसे मेरे अनगिनत साथियों ने – जिन्होंने इस क्यारी में अपने-अपने ठाँव पर धूप और बरसात, जाड़ा, और पाला झेल सूरज को तपा है पूरी आयु एक पाँव पर तुमने ऋतु को बखाना, पर क्या कभी पल भर भी तुम उस लौ को भी देख सके जिसके बल मैंने और इसने और उसने यानी मेरे एक-एक साथी ने मिट्टी का अँधेरा फोड़ सूरज से आँखें मिलाई हैं ? उसे यदि जानते तो तुमसे भी रंग जाती एक ऋतु ।	
(1) (2) (3)	फूल ने कवि को कौन-सा छोटा-सा सत्य सौंपा ? वसंत की धन्यता को किसने रचा है ? फूल और उसके साथियों ने मिट्टी का अँधेरा फोड़कर किससे आँखें मिलाई हैं ?	(1) (1) (1)

(4) (5)	फूलों और उसके जैसे अनगिनत साथियों ने क्या किया है ? हँसते खिलखिलाते फूलों को देख कवि को क्या अनुभव हुआ ?	(2) (2)
	खंड-‘ख’ (व्यावहारिक व्याकरण)	अंक-15
3 1 2 3 4	निर्देशानुसार किन्हीं तीन का उत्तर लिखिए- युवा धनुर्धर को सेनापति ने युद्ध में भेजा | (मिश्र वाक्य में बदलिए) मैं विद्यालय पहुँचा परन्तु घंटी बज चुकी थी | (सरल वाक्य में बदलिए) जो मन लगाकर काम करते हैं, उन्हें सफलता मिलती है | (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए) <u>मेरी माँ चाहती हैं</u> कि मैं अच्छा इंसान बनूँ | (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)	(1□3=3)
4 1 2 3 4 5	निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए- मोहन से पैदल चला नहीं जाता | (कर्तृवाच्य में बदलिए) आओ, वहाँ बैठे | (भाववाच्य में बदलिए) किसान खेतों में बीज बोता है | (कर्मवाच्य में बदलिए) छात्रों द्वारा पाठ याद किया जाता है | (कर्तृवाच्य में बदलिए) पक्षी आकाश में उड़ेंगे | (कर्मवाच्य में बदलिए)	(1□4=4)
5 1 2 3 4 5	5 निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- सूर्योदय हुआ <u>और</u> पक्षी चहचहाने लगे | <u>वीर</u> पुरुषों का सर्वत्र आदर किया जाता है | अध्यापिका ने बच्चों को एक कहानी <u>सुनाई</u> | अवनि <u>कल</u> आएगी | <u>इलाहाबाद</u> में तीन नदियों का संगम है |	(1□4=4)
6 1 2	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – ‘वीर’ रस का एक उदाहरण लिखिए | निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए- एक ओर अजगरहि लखि, एक ओर मृगराय |	(1□4=4)

 3 4 5	विकल बटोही बीच ही परयो मूरछा खाय || 'निर्वेद' किस रस का स्थायी भाव है ? करुण रस' का स्थायी भाव क्या है ? घृणित वस्तुओं को देखकर अथवा उनके बारे में सुनकर मन में जो भाव उत्पन्न होता है, उससे किस रस की व्युत्पत्ति होती है ?	
	खंड-'ग' (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)	अंक-30
7	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी | (नाम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है |) इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था | जिसकी स्मृति हम सबके मन में (जो उनके निकट थे) किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी | मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ |	(5)
1 2 3	नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है ' ऐसा लेखक ने क्यों कहा ? लेखक ने फ़ादर के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया है और क्यों ? गद्यांश में फ़ादर की स्मृति को किसके समान बताया गया है ?	(2) (2) (1)
8 1 2 3 4 5	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए- हालदार साहब के लिए कौन-सा कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा, जिसे पानवाले से पूछे बिना नहीं रह सके ? बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ? लेखिका मन्नू भंडारी अपने ही घर में हीन भावना का शिकार क्यों हो गई ? उस्ताद बिस्मिल्ला खां काशी छोड़कर अन्यत्र क्यों नहीं जाना चाहते थे ? नवाब साहब खीरा खाने के अपने ढंग के माध्यम से क्या दिखाना चाहते थे ?	(2□4=8)
9	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी | अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी | पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी | ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी | प्रीती-नदी मैं पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी | 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चांटी ज्यौं पागी ||	(5)

	गोपियों ने क्या कहकर उद्धव पर व्यंग्य किया है ?	
1 2 3	गोपियों ने क्या कहकर उद्धव पर व्यंग्य किया है ? गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की है और क्यों ? गोपियों ने अपनी तुलना गुड़ से लिपटी चीटियों से क्यों की है ?	(1) (2) (2)
10 1 2 3 4 5	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए- 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संगतकार जैसे व्यक्ति सर्वगुण सम्पन्न होकर भी समाज में आगे न आकर प्रायः पीछे ही क्यों रहते हैं ? धनुष भंग करने वाली सभा में एकत्रित जन *'हाय-हाय'* क्यों पुकारने लगे थे ? 'राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए | वर्तमान संदर्भों में 'कन्यादान' कविता कितनी उपयुक्त है ? स्पष्ट कीजिए| सामाजिक क्रान्ति में साहित्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है | 'उत्साह' कविता के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए | यह 'दंतुरित मुस्कान' कविता में 'बाँस और बबूल' किसके प्रतीक बताए गए हैं ? इन पर शिशु की मुस्कान का क्या असर होता है ?	(2×4=8)
11	'माता का अंचल' पाठ में भोलानाथ द्वारा चूहे के बिल में पानी डालना बच्चों की किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है ? क्या यह उचित है ? पशु-पक्षियों के संरक्षण के उपाय भी बताइए |	(4)
	अथवा	
	समाचार-पत्रों की जन-जागरण में क्या भूमिका होती है? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए |	
	खंड-'घ' (लेखन)	अंक-20
12	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए-	(10)
1	आपदा प्रबंधन • प्रस्तावना • प्राकृतिक आपदाएँ • दोषी कौन • सरकार की जिम्मेदारी • नागरिकों के कर्तव्य • उपाय	

2 3	सौर ऊर्जा • प्रस्तावना • सौर ऊर्जा से तात्पर्य • सौर ऊर्जा का उत्पादन • लाभ • उपसंहार अपने लिए जिए, तो क्या जिए • प्रस्तावना • मनुष्य में बढ़ती स्वार्थपरता • परोपकार की प्रकृति और पूर्वजों की सीख • मानव जीवन की सार्थकता • उपसंहार	
13	दूरदर्शन के महानिदेशक को पत्र लिखकर राष्ट्रीय एकता तथा साम्प्रदायिक सदभाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह कीजिए |	(5)
	अथवा	
	'सामाजिक सेवा कार्यक्रम' के अंतर्गत किसी गाँव में सफ़ाई अभियान के अनुभवों का उल्लेख करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए |	
14	आपके मोहल्ले के पार्क में लड़कियों को आत्म रक्षा के गुण सिखाने हेतु एक कैंप लगाया जा रहा है, इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 20-25 शब्दों में तैयार कीजिए |	(5)
	अथवा	
	आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित घर किराए पर देने के लिए विज्ञापन लगभग 20-25 शब्दों में तैयार कीजिए |	

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (2018-19)

हिन्दी पाठयक्रम-अ

कक्षा - दसवीं

उत्तर संकेत एवं अंक योजना

निर्धारित समय- 3 घंटे | अधिकतम अंक – 80

	खंड-क (अपठित अंश)	अंक-15
1	<u>अपठित गद्यांश</u>	8
(1)	स्वास्थ्य और खेल-कूद का परस्पर गहरा संबंध है | खेल-कूद से प्राणों में नई स्फूर्ति और प्रसन्नता पैदा होती है | परिणामस्वरूप स्वास्थ्य अच्छा रहता है |	(2)
(2)	हवा के झोंके एक-दूसरे का पीछा करते हुए जान पड़ते हैं | आकाश में उड़ते हुए पक्षी भी तरह-तरह की क्रीड़ाएँ करते हैं | इससे ज्ञात होता है कि प्रकृति भी खेल-कूद पसंद करती है |	**(2)**
(3)	कर्म करने वाला व्यक्ति गतिशील और तरोताजा रहता है | उसकी शिथिलता समाप्त हो जाती है | परिणामस्वरूप स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है |	**(2)**
(4)	जीवन को जल इसलिए कहा गया है क्योंकि जीवन की प्रकृति जल के समान है | जल के समान ठहरा हुआ जीवन भी शिथिल और कर्महीन होकर स्वास्थ्य खो देता है |	**(1)**
(5)	शीर्षक - स्वास्थ्य और खेलकूद (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	**(1)**
2	<u>अपठित काव्यांश</u>	*7*
1	उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में मजदूर की शक्ति का महत्त्व प्रतिपादित किया गया है |	(1)
2	मजदूर निर्माता है |वह अपनी शक्ति से धरती पर स्वर्ग के समान सुंदर बस्तियाँ बना सकता है |इस कारण उसे स्वर्ग से विरक्ति है |	(1)
3	मजदूर ने तूफानों व भूकंपों में भी हार नहीं मानी |वह हर मुसीबत का सामना करने को तैयार है |	(1)
4	उपर्युक्त पंक्तियों में 'मैं' श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहा है |कवि कहना चाहता है कि मजदूर वर्ग में संसार के सभी क्रियाशील प्राणी आ जाते हैं | मजदूर में आत्मविश्वास है कि वह खंडहर को भी आबाद कर सकता है |उसकी शक्ति के	(2)

5	सामने भूचाल, प्रलय व बादल भी झुक जाते हैं |	(2)
	अथवा	
1	फूल ने कवि को यह छोटा-सा सत्य सौंपा कि वसंत ऋतु की धन्यता उसकी कमाई नहीं है |	(1)
2	वसंत की धन्यता को अनगिनत फूलों ने रचा है |	(1)
3	फूल और उसके साथियों ने मिट्टी का अँधेरा फोड़कर सूरज से आँखें मिलाई हैं |	(1)
4	फूलों और उसके जैसे अनगिनत साथियों ने धूप, बरसात, जाड़ा, और पाला झेला तथा सूरज को पूरी आयु तपा है |	(2)
5	हँसते खिलखिलाते फूलों को देखकर कवि का ह्रदय तृप्त हो गया, उसकी आँखों में रंगों की बरसात हो गई और खुशबू और प्रसन्नता से उसका जीवन भर गया |	(2)
	खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)	अंक-15
3.	निर्देशानुसार उत्तर लिखिए- (कोई तीन)	(1□3=3)
1 2 3 4	जो धनुर्धर युवा था उसे सेनापति ने युद्ध में भेजा | मेरे विद्यालय पहुँचने से पहले घंटी बज चुकी थी | जो मन लगाकर काम करते हैं – विशेषण आश्रित उपवाक्य | मेरी माँ चाहती हैं – प्रधान उपवाक्य |	
4.	निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए- (कोई चार)	(1□4=4)
(1) (2) (3) (4) (5)	मोहन पैदल चल नहीं सकता | आओ, वहाँ बैठा जाए | किसान द्वारा खेतों में बीज बोया जाता है | छात्र पाठ याद करते हैं | पक्षियों द्वारा आकाश में उड़ा जाएगा |	
5.	निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए-(कोई चार)	1□4=4)
(1) (2) (3) (4) (5)	और – समुच्चयबोधक अव्यय वीर – गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, विशेष्य – 'पुरुषों' सुनाई – सकर्मक क्रिया (द्विकर्मक), एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य कल – कालवाचक क्रियाविशेषण, 'आएगी' क्रिया की विशेषता इलाहाबाद – व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक	

6	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए	(14=4)
(1) (2) (3) (4) (5)	तनकर भाला यूँ बोल उठा राणा ! मुझको विश्राम न दें | मुझको वैरी से ह्रदय-क्षोभ तू तनिक मुझे आराम न दे | भयानक रस 'निर्वेद' शांत रस का स्थायी भाव है | 'करुण रस' का स्थायी भाव 'शोक' है | वीभत्स रस |	
	खंड-ग (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)	अंक-30
7.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	(5)
(1)	लेखक ने देखा कि फ़ादर के अंतिम संस्कार के अवसर पर अनेक साहित्यकार, हिन्दी भाषा के विद्वान, साहित्य प्रेमी, ईसाई समुदाय के लोग और पादरी गण उपस्थित थे | उस अवसर पर सभी की आँखें नम थीं | लेखक ने इतने लोगों को देखकर सोचा कि यहाँ उपस्थित लोगों की गणना करना स्याही फैलाने जैसा है |	(2)
(2)	लेखक ने फ़ादर के लिए सबसे अधिक छायादार, फल-फूल गंध से भरा सबसे अलग, सबसे ऊँचाई पर और मानवीय करुणा की दिव्य चमक जैसे विशेषणों का प्रयोग किया है, क्योंकि फ़ादर में सभी के लिए आत्मीयता, करुणा, वात्सल्यता, संवेदना और सहानुभूति थी | उनसे मिलकर मन को अदभुत शान्ति मिलती थी |	(2)
(3)	गद्यांश में फ़ादर की याद को यज्ञ की पवित्र ज्योति के समान बताया गया है, जिसके सामने लेखक श्रद्धानत है |	(1)
8.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए- (कोई चार)	(24=8)
(1)	हालदार साहब जब तीसरी बार गुज़रे तो चौराहे पर रुककर उन्होंने पान खाया और मूर्ति को ध्यान से देखा तो इस बार भी चश्मा बदला हुआ था | मूर्ति का चश्मा बदले जाने के कारण को जानने का कौतूहल अब दुर्दमनीय हो गया | फलस्वरूप उन्होंने पानवाले से पूछ ही लिया कि यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है ?	
(2)	बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के लिए कुतूहल का कारण थी | वे अत्यंत सादगी, सरलता और निःस्वार्थ भाव से जीवन जीते थे | उनके पास जो कुछ था, उसी में काम चलाया करते थे | वे किसी की वस्तु को बिना पूछे उपयोग में न लाते थे |	

(3)	लेखिका बचपन में काली, दुबली-पतली और मरियल-सी थी | इसके विपरीत उनकी दो साल बड़ी बहन सुशीला खूब गोरी, स्वस्थ और हँसमुख थी | लेखिका के पिता को गोरा रंग पसंद था | वे बात-बात में लेखिका की तुलना उसकी बहन से करते और उसे हीन सिद्ध करते | इससे लेखिका के मन में धीरे-धीरे हीनता की ग्रंथि पनपने लगी और वह हीन भावना का शिकार हो गई |	
(4)	उस्ताद बिस्मिल्ला खां काशी से असीम लगाव रखते थे | बाबा विश्वनाथ और बालाजी में उनकी गहन आस्था थी | उनके पूर्वजों ने काशी में रहकर शहनाई बजाई | बिस्मिल्ला खां ने काशी में ही रहकर शहनाई बजाना सीखा और संस्कार अर्जित किए | उनके नाना और मामा का जुड़ाव भी काशी से रहा था, इसलिए वे काशी छोड़कर अन्यत्र नहीं जाना चाहते थे |	
(5)	नवाब साहब खीरे की सुगंध का रसास्वादन करके तृप्त होने के अपने विचित्र ढंग के माध्यम से अपनी रईसी और नवाबी का प्रदर्शन करना चाहते थे | वे लेखक को यह भी बताना चाह रहे थे कि नवाब जैसे रईस लोग खीरा जैसी साधारण-सी खाद्य वस्तु का आनंद इसी तरह लेते हैं | इसमें उनकी दिखावा करने की प्रवृत्ति दिख रही थी |	
9.	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	(5)
(1)	गोपियों ने योग साधना का संदेश लाने वाले उद्धव को 'बड़भागी' कहकर व्यंग्य किया है |	1
(2)	गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते और तेल लगी गागर से की है | इसका कारण यह है कि पानी में डूबा रहने पर कमल का पत्ता गीला नहीं होता है | इसी प्रकार तेल की गागर भी पानी में गीली नहीं हो पाती है, उसी प्रकार श्रीकृष्ण का प्रेम उद्धव पर अपना असर न डाल सका और वह श्रीकृष्ण के प्रेम से वंचित रह गए |	2
(3)	गोपियों ने अपनी तुलना गुड़ से लिपटी चीटियों से इसलिए की है क्योंकि गुड़ से चीटियों का विशेष लगाव होता है | यदि इन चीटियों को अलग करने का प्रयास करें तो वे प्राण दे देती हैं पर अलग नहीं होती हैं | यही स्थिति अब गोपियों की है | वे किसी भी दशा में कृष्ण के प्रेम को त्यागना नहीं चाहती हैं |	2
10 (1)	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए- (कोई चार) 'संगतकार' प्रवृत्ति के लोग छल-प्रपंच से दूर, श्रद्धा के धनी होते हैं | वे मुख्य कलाकार के सहयोगी होते हैं | अपने प्रति विश्वास को खत्म नहीं करना चाहते हैं | मुख्य कलाकार को धोखा देना अपनी प्रवृत्ति के अनुसार पाप समझते हैं | अपने मुख्य	(2×4=8)

	कलाकार के साथ छल-प्रपंच करके आगे निकलना नितांत अनुचित समझते हैं | वे अपनी परोपकार और त्याग की भावना के कारण पीछे ही बने रहते हैं |	
(2)	सभा में परशुराम और लक्ष्मण के मध्य बहुत तीखी नोक-झोंक हो गई | परशुराम तो स्वभाव से क्रोधी थे ही | लक्ष्मण ने बालक होने पर भी अपने व्यंग्य-वचनों से उनके क्रोध को भड़का दिया | लक्ष्मण द्वारा बहुत तीखे कटाक्ष करने पर सभा में एकत्रित लोग *'हाय-हाय'* कहने लगे |	
(3)	'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को जो सीख दी है, वह उसके भले के लिए दी है | उसने दुनिया का व्यवहार देखा है | अपने साथ बीते अनुभव भी जिए हैं | वह नारी के शोषण की सारी कहानी जानती है | नई बहू की सरलता का लाभ उठाकर उस पर अनुचित दबाव बनाया जाता है | माँ नहीं चाहती है कि उसकी बेटी की सरलता का गलत फायदा उठाया जाए | इसलिए यह सीख युग के अनुकूल है |	
(4)	'उत्साह' कविता में कवि ने बादल से गरजने का अनुरोध किया है तथा सामाजिक चेतना की नूतन कविता लिखने वाले कवियों से कहा है कि वे अपने ह्रदय में विद्युत-सी छवि धारण कर लें | कविता में ऐसे कवियों को आह्वान करते हुए कहा गया है कि वे अपनी नूतन कविता में विद्युत-सी तेजी का संचार करें | इस प्रकार कवियों को यह संदेश दिया गया है कि वे अपनी कविताओं में विध्वंस, विप्लव और क्रान्ति चेतना का स्वर भर दें | स्पष्ट है कि कविता में इस तथ्य को रेखांकित किया गया है कि साहित्य, सामाजिक क्रान्ति या बदलाव की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है |	
(5)	यह दंतुरित मुस्कान कविता में 'बाँस और बबूल' कठोर और निष्ठुर ह्रदय वाले लोगों का प्रतीक हैं | ऐसे लोगों पर मानवीय संवेदनाओं का कोई असर नहीं होता है | शिशु की दंतुरित मुस्कान देखकर ऐसे लोग भी सहृदय बन जाते हैं |	
11	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न (कोई एक) 'माता का अंचल' पाठ में भोलानाथ एवं उसके साथियों द्वारा चूहे के बिल में पानी डालना पशु-पक्षियों के प्रति बच्चों की शरारती प्रवृत्ति को प्रकट करता है जो प्रकृति के लिए कतई उचित नहीं है | पशु-पक्षी हमारे मित्र हैं उनका होना हमारे लिए अति आवश्यक है | पशु-पक्षी नहीं रहेंगे तो पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाएगा | प्रकृति ने सबके लिए अपना-अपना कार्य निर्धारित किया है उसी के अनुरूप समस्त प्राणी वर्ग अपना व्यवहार निश्चित करते हैं | हमारे प्राणी वर्ग में से किसी भी वर्ग के न रहने पर	अंक - 4

	प्रकृति असंतुलित हो जाएगी | अतः हमें अपने मित्र पशु-पक्षियों का संरक्षण करना चाहिए | इसके लिए बच्चों को विद्यालयी स्तर पर पशु-पक्षी संरक्षण का महत्त्व बताना चाहिए |प्राथमिक स्तर पर परिवार बच्चों को पशु-पक्षियों के प्रति जागरूक करें तभी बच्चे प्राणी जगत के सभी जीवों का महत्त्व समझेंगे तथा उन्हें मारने या सताने का प्रयत्न नहीं करेंगे |	
	अथवा	
	समाचार-पत्र जान-जागरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं | देश की समस्याओं से जनता को अवगत कराना समाचार-पत्रों का मुख्य कार्य है | समाचार-पत्रों में आजकल जानी-मानी हस्तियों के पहनावे, खान-पान की खबरें अधिक छपती हैं जिससे युवा पीढ़ी मार्ग से भटक जाती है | राष्ट्र को सही दिशा में लाने का कार्य समाचार-पत्र ही कर सकते हैं | समाचार-पत्रों का कार्य है समाज को जाग्रत करना, उनके हितों की रक्षा करना है |	
	खंड-'घ' (लेखन)	अंक-20
12	<u>निबंध-लेखन</u> प्रस्तुति भाषा-शुद्धता वाक्य-विन्यास विषयवस्तु (संकेत बिन्दुओं के आधार पर) समग्र प्रभाव	(10) -1 अंक -2 अंक -1 अंक -4 अंक -2 अंक
13	<u>पत्र-लेखन</u> प्रारंभ और अंत की औपचारिकता विषयवस्तु भाषा-शुद्धता	(5) 1+1=2 अंक 2 अंक 1 अंक